हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ से) = 10 × 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 × 3 = 45
(ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 × 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

पाठ्यग्रंथ –
मूल पाठ
(1) नाटक – चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
(2) उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द
नदी के द्वीप – अज्ञेय
(3) निबन्ध – आचार्य शुक्ल का श्रेष्ठ निबन्ध – सं. प्रो. रामचन्द्र तिवारी
(श्रद्धा–भक्ति, कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था)
हजारी प्रसाद द्विवेदी : संकलित निबन्ध
सं. नामवर सिंह
(अशोक के फूल, कुटज, नाखून क्यों बढ़ते हैं, भारत की सांस्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)
(4) कहानी संकलन – कहानी स्तम्भ – सं. प्रो. जनार्दन, डॉ. गणेश शुक्ल,
(घासवाली – प्रेमचन्द, गुण्डा – प्रसाद, पत्नी – जैनेन्द्र, शरणदाता – अज्ञेय, परिन्दे – निर्मल वर्मा, वाङ्चू – भीष्म
साहनी, आर्द्रा – मोहन राकेश, लाल पान की बेगम – फणीश्वर नाथ रेणु, त्रिशंकु – मन्नू भण्डारी)

द्रुत पाठ
(1) कहानी – कहानी : समकालीन कहानी – सं. प्रो. सुरेन्द्र दुबे, डॉ. महेश मणि
(करवा का ब्रत – यशपाल, राजा निरबंसिया – कमलेश्वर, जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव, धाँसू – गोविन्द मिश्र
अर्धांगिनी – शैलेश मटियानी, आखिरी चिट्ठी – रामदरश मिश्र, परियों का नाच ऐसा – मृणाल पाण्डेय)
(2) निबन्ध – निबन्ध–संचयन, सं. डॉ. दीपक प्रकाश त्यागी, डॉ. राम नारायण त्रिपाठी
(वैष्णवता और भारतवर्ष, जातीय संगीत – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र; हिन्दी भाषा, लार्ड मिन्टों का स्वागत – बालमुकुन्द गुप्त; आचरण की सभ्यता, सच्ची वीरता–सरदार पूर्ण सिंह; तमाल के झरोखे से, हरसिंगार – विद्यानिवास मिश्र; संस्कृति का शेषनाग, नीलकंठ उदास – कुबेरनाथ राय; भाषा और राष्ट्रीय अस्मिता, साहित्य
का आत्मसत्य – निर्मल वर्मा)

सहायक ग्रंथ–
1. हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रसाद के नाटक, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. जगन्नाथ प्रकाश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दी साहित्य विविध परिदृश्य, सदानन्द प्रसाद गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्यशास्त्र – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे–
प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) भारतीय काव्यशास्त्र	40 = 2 X 20 = 40
(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र	40 = 2 X 20 = 40
(ग) हिन्दी समीक्षा	20 = 1 X 20 = 20

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

पाठ्यग्रंथ –

1. भारतीय काव्यशास्त्र–

(क) काव्य के प्रयोजन, लक्षण, स्वरूप और भेद; भारतीय काव्य सम्प्रदाय–रस, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य; रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ, गुण व दोष।
(ख) नाट्य – नाटक के तत्व – वस्तु, नेता, रस तथा उसका विवेचन, रूपक, रंगशाला

2. भारतीय काव्यशास्त्र–

अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ – अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी के तत्व।
लोजांइनस, टी.एस. इलिएट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा
शास्त्रीयतावाद एवं स्वच्छन्दतावाद,
अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद
मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, मनोविश्लेषणवाद
नयी समीक्षा की आधारभूत मान्यताए
उत्तर आधुनिकता, उत्तर संरचनावाद, विखण्डनवाद

3. हिन्दी समीक्षा–

हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और विकास
प्रमुख आलोचक – महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।
नोट– भारतीय काव्यशास्त्र से दो प्रश्न, पाश्चात्य काव्यशास्त्र से दो प्रश्न एवं हिन्दी समीक्षा से एक प्रश्न पूछे जाएँगें।

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
3. काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
6. भारतीय काव्यचिन्तन डॉ0 शोभाकान्त मिश्र

7. साहित्य दर्पण, रामदहिन मिश्र, चौखम्भा, वाराणसी
8. हिन्दी काव्यचिन्तन की परम्परा – सं0 डॉ0 दीपक प्रकाश त्यागी, हिन्दी अकादमी, दिल्ली।

तृतीय प्रश्न पत्र – लोक साहित्य के सिद्धान्त एवं भोजपुरी साहित्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे–
प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–
(क) लोक साहित्य (दो आलोचनात्मक प्रश्न) = 16 X 2 = 32
(ख) भोजपुरी साहित्य (दो आलोचनात्मक प्रश्न) = 16 X 2 = 32
(ग) पाठ्यग्रंथ से व्याख्या (तीन) = 12 X 3 = 36

पाठ्यक्रम –
खण्ड – एक–
खण्ड – दो–
खण्ड – तीन–
पाठ्य ग्रंथ – भोजपुरी साहित्य संचयन – सं0 प्रो0 चित्तरंजन मिश्र, डॉ0 विमलेश कुमार मिश्र

सहायक ग्रन्थ–
1. लोकसाहित्य का भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2. भोजपुरी लोकसाहित्य, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येन्द्र, अपोलो प्रकाशन, जयपुर
4. भोजपुरी लोकगाथा, डॉ. श्रीधर मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5. खड़ी बोली का लोकसाहित्य, डॉ. सत्यारानी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
6. भोजपुरी के लोकगीत, भाग–1, 2, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7. भोजपुरी भाषा का इतिहास, डॉ. उदय नारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

चतुर्थ प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ।
प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ से) = 10 X 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 X 3 = 45
(ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 X 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में तथा लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों के होंगे।)

पाठ्यग्रंथ –
मूल पाठ–
1. साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त
2. कामायनी (चिन्ता और इड़ा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद
3. राग–विराग (राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति) – सं. रामविलास शर्मा
4. तारापथ (उच्छ्वास, नौकाविहार, छाया, परिवर्तन) – सं. दूधनाथ सिंह
5. नव दर्पण – सं. प्रो. अनन्त मिश्र, डॉ. ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी

द्रुत पाठ–
नया पथ – सं. प्रो. गणेश प्रसाद पाण्डेय, प्रो. अनिल कुमार राय

सहायक ग्रंथ–

1. आधुनिक साहित्य का प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कविता के नये प्रतिमान, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. निराला की साहित्य साधना, तीन भाग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. क्रांतिकारी कवि निराला, डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व, डॉ. कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. आत्महंता आस्था निराला, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानन्दन पंत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. पंत सहचर, अशोक वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. साकेत एक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
12. समकालीन हिन्दी कविता, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. आधुनिक हिन्दी कविता, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. निराला, डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
15. प्रसाद, निराला और अज्ञेय, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. दिनकर की काव्यभाषा का संरचनात्मक अध्ययन, प्रो. सुरेन्द्र दुबे, शब्द और शब्द, नई दिल्ली
17. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, प्रो. सुरेन्द्र दुबे, शब्द और शब्द, नई दिल्ली
18. सुमित्रानन्दन पंत, सम्पा. सदानन्दप्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर

पंचम प्रश्न पत्र – हिन्दी, संस्कृत एवं उर्दू साहित्य का इतिहास – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का प्रारूप – इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड होंगे, जिसका अंक विभाजन निम्नांकित है–

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (तीन प्रश्न) = 20 X 3 = 60
(ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न) = 20 X 1 = 20
(ग) उर्दू साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न) = 20 X 1 = 20

पाठ्यक्रम–

खण्ड – एक– यथावत
खण्ड – दो– यथावत
खण्ड – तीन– यथावत

सहायक ग्रन्थ–

1. साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप, डॉ. सुमन राजे,
2. साहित्येतिहास आदिकाल, डॉ. सुमन राजे
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियन्ट ब्लैकस्वॉन प्रा.लि., नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा,
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी,

14. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
15. उर्दू साहित्य का इतिहास, प्रो. एहतेशाम हुसेन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. उर्दू भाषा का इतिहास, फिराक गोरखपुरी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
17. उर्दू कविता का विकास, डॉ. कृष्णचन्द्र लाल, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
18. हिन्दी साहित्य का अतीत (दोनों भाग), डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएं (केवल मूल पाठ से) = 10 X 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 X 3 = 45
(ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 X 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

पाठ्यग्रंथ –
मूल पाठ–
1. पद्मावती समय – चन्दबरदाई
2. निर्गुण काव्य – सं. प्रो. पूर्णिमा सत्यदेव, डॉ. केशव बिहारी त्रिपाठी
3. पद पीयूष – सं. प्रो. रामदरश राय, प्रो. मंजु त्रिपाठी
4. आनन्द घन – सं. प्रो. रामदेव शुक्ल

द्रुत पाठ–
प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – सं. डॉ. प्रेमव्रत तिवारी, डॉ. सूर्यनाथ पाण्डेय

सहायक ग्रंथ–
1. भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य, डॉ. शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कबीर मीमांसा, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. तुलसी काव्यमीमांसा, डॉ. उदयभान सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. सूरदास, डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. सूरदास और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
8. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
9. मध्यकालीन धर्म साधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. उत्तर भारत की संत परम्परा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
11. मीरा का काव्य, डॉ, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और लिपि – कुल अंक 100

खण्ड क–

भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भारतीय और पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ, भाषा भूगोल और समाज भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ, शब्द अध्ययन, शब्द अध्ययन की पद्धतियाँ, शब्द की परिभाषा शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण, ध्वनि, ध्वनियों की उत्पत्ति और वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, अर्थ–परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, पद विज्ञान, शब्द और पद का भेद, पद रचना की पद्धतियाँ, वाक्यविज्ञान परिभाषा, वाक्य संरचना और वर्गीकरण, लिपि की परिभाषा, भाषा और लिपि का सम्बन्ध, लिपि की विकास अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, काव्य भाषा, नाट्य भाषा, कथा भाषा।

खण्ड ख–

हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति और उसकी समस्याएँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण और विकास, हिन्दी भाषा में प्रयुक्त विदेशी ध्वनियों में परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ, संज्ञा पदों की रचना, परसर्गों का विकास, लिंग और वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय पदों की रचना तथा विकास, उपसर्गों तथा प्रत्ययों का उद्‌भव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण और आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी।

सहायक ग्रंथ–

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी भाषा, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5. हिन्दी भाषा, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
6. हिन्दी भाषा, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. हिन्दी भाषा, डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
8. काव्यादर्श और काव्यभाषा, प्रो. सुरेन्द्र दुबे, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद
9. अर्थतत्त्व, डॉ. हरदेव बाहरी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
10. सामान्य भाषाविज्ञान, डॉ. बाबूराम सक्सेना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, डॉ. सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. हिन्दी शब्दानुशासन, डॉ. किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
13. हिन्दी व्याकरण, कान्ता प्रसाद गुप्त, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
14. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका, डॉ. मोतीलाल गुप्ता, राजस्थान हिन्दी एकेडमी, जयपुर
15. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

तृतीय प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन (वैकल्पिक) – कुल अंक 100

निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से कोई एक प्रश्नपत्र विकल्प के रूप में चुनना होगा।

1. निर्गुण भक्ति काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रंथ

1. कबीर ग्रन्थावली (सं. श्याम सुन्दर दास), साखी–गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग, विरह को अंग, परचा को अंग, ज्ञान विरह को अंग, निहकर्मी पतिव्रता को अंग, वितावणी को अंग, माया को अंग, निर्गुण को अंग, सहजन को अंग, सोंच को अंग, साधु को अंग, जीवन मृतक को अंग, गुरु शिष्य हेरा को अंग, काल को अंग, रस को अंग, बेली को अंग, मधि को अंग।

सबद – आरम्भिक 200 पद

रमैनी – आरम्भिक 20 पद

2. जायसी ग्रन्थावली (सं. रामचन्द्र शुक्ल)
पद्मावत के निम्नलिखित खण्ड–
स्तुति खण्ड, सिंहल दीप वर्णन खण्ड, जन्म खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नागमती सुआ संवाद खण्ड, नखशिख खण्ड, प्रेम खण्ड, जोगी खण्ड, पद्मावती वियोगी खण्ड, पावती महेश खण्ड, रत्नसेन पद्मावती विवाह खण्ड, पद्मावती रतनसेन भेंट खण्ड, षट्ऋतु वर्णन खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड, चित्तौर आगमन खण्ड, नागमती पद्मावती विवाद खण्ड, पद्मावती रूप चर्चा खण्ड, बादशाह चढाई खण्ड, चित्तौड़गढ़ वर्णन खण्ड, रतनसेन बंधन खण्ड, पद्मावती गोरा बादल संवाद खण्ड, गोराबादल युद्ध खण्ड, रतनसेन देवपाल युद्ध खण्ड, पद्मावती नागमती सती खण्ड, उपसंहार।

सहायक ग्रंथ–

1. निर्गुण काव्यधारा, डॉ. पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
2. उत्तर भारत की संत परम्परा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. तसव्वुफ अथवा सूफी मत, चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
5. सूफीमत साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल लि., वाराणसी
6. सूफीकाव्य समग्र अनुशीलन : शिवसहाय पाठक, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली
7. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिवसहाय पाठक, ग्रंथम, कानपुर
8. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान, श्याम मनोहर पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान, परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर प्रा. लि., दिल्ली
10. भारतीय प्रेमाख्यान की परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. जायसी एक नई दृष्टि, डॉ. रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. जायसी, विजयदेव नारायण शाही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
13. मलिक मुहम्मद जायसी, डॉ. कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. पद्मावत संजीवनी भाष्य, वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
15. जायसी ग्रंथावली, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
16. पद्मावती, सम्पा. डॉ. कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. सगुण भक्ति काव्य (द्वितीय इकाई)

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1. 'सूरसागर' के स्थान पर 'संक्षिप्त सूरसागर' (सं. धीरेन्द्र वर्मा) निर्धारित किया गया।
2. रामचरित मानस (गीता प्रेस) – बालकाण्ड, अयोध्या काण्ड, उत्तर काण्ड।
3. कवितावली (गीताप्रेस)
4. विनय पत्रिका (गीता प्रेस)

सहायक ग्रंथ–

1. तुलसी काव्यमीमांसा, डॉ. उदयभान सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. सूरदास और उनका साहित्य, डॉ. हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
3. सूरदास, डॉ. बृजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
5. तुलसीदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नगरी प्रचारणी सभा, काशी
6. लोकवादी तुलसी डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. तुलसी दर्शन मीमांसा, डॉ0 उदयभानु सिंह

8. तुलसी सं0 डॉ0 वासुदेव सिंह, उदयभानु सिंह
9. तुलसी, डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. तुलसी, विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला
11. तुलसी और युग संदर्भ, डॉ0 भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन
12. तुलसी दर्शन, डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

3. रीति काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ
1. रसिक प्रिया, कवि प्रिया (केशव दास)
2. बिहारी रत्नाकर – दोहा 201 से 500 तक
3. घनानन्द कवित्त (सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) – कवित्त – 1 से 150 तक

सहयक ग्रन्थ–
1. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. केशव और उनका साहित्य, डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
4. केशव का आचार्यत्व, डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
5. केशन की काव्यभाषा, प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. घनानन्द का श्रृंगार काव्य, डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बिहारी और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
8. रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानन्द, डॉ. मनोहर लाल गौड, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
9. हिन्दी रीतिबद्ध काव्यभाषा की क्रिया–संरचना, प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
10. रीतिकाव्य स्वच्छन्दधारा, डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा,

4. छायावादी काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ
1. कामायनी – जयशंकर प्रसाद
2. परिमल – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताएं – मौन दूत अलि ऋतु पति के आए, तुम और मैं, अलि घिर आए घन पावस के, ध्वनि, अधिवास, विधवा, भिक्षुक, सन्ध्या सुन्दरी, धारा, बादल राग, जुही की कली, जागो फिर एक बार (2) महाराज शिवाजी का पत्र।
3. अपरा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताएं – मातृ वन्दना, तोड़ती पत्थर, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, राम की शक्तिपूजा, मैं अकेला, यमुना के प्रति, गहन है यह अन्धकार, मरण को जिसने बरा है, सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया है, तुलसीदास, अर्चना।
4. पल्लव – सुमित्रानन्दन पन्त
5. यामा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रन्थ–
1. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. छायावाद और कामायनी, डॉ. तारकनाथ बाली, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली
3. सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व, डॉ. कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रसाद का काव्य, डॉ. प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. निराला की साहित्य साधना, तीन–खण्ड, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. कामायनी अनुशीलन, डॉ. रामलाल सिंह, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद
10. जयशंकर प्रसाद, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, कमल प्रकाशन, जबलपुर
11. जयशंकर प्रसाद, एक पुनर्मूल्यांकन, डॉ. विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकुला
12. निराला की कविताएं, डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
13. निराला का कविताएं और काव्यभाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. निराला, राजेन्द्र कुमार, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
15. सुमित्रानंदन पंत्र, डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
16. सुमित्रानंदन पंत्र, डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
17. महादेवी वर्मा, डॉ. गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. आधुनिक हिन्दी कविता में पौराणिक सन्दर्भों की पुनर्रचना, डॉ. रामदरश राय, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
19. छायावादी काव्यभाषा में अर्थतत्त्व, डॉ. रामदरश राय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली
20. भारतीय स्वाधीनता संघर्ष और निराला का साहित्य, डॉ. कमलेश कुमार गुप्ता, शैवाल प्रकाशन, गोरखपुर
21. छायावादी काव्य भाषा में अर्थतत्त्व, प्रो. रामदरश राय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली

5. छायावादोत्तर काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ
1. मेरी चुनी हुई रचनाएँ – अज्ञेय
2. प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (सं. डॉ. केदारनाथ सिंह)
3. टूटी हुई बिखरी हुई – सं. अशोक वाजपेयी
4. प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन (सं. नामवर सिंह)
5. आत्महत्या के विरुद्ध – रघुवीर सहाय

सहायक ग्रन्थ–

1. रघुवीर सहाय का कविकर्म, डॉ. सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नागार्जुन का रचना संसार, डॉ. विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन कवितायात्रा, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. अज्ञेय, भोलाभाई पटेल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. फिलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. कवियों का कवि शमशेर, रंजना अरगडे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. कथा साहित्य

अंको का विभाजन – व्याख्या = 12 X 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न = 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

रंगभूमि (प्रेमचन्द), त्याग–पत्र (जैनेन्द्र कुमार), शेखर एक जीवन (अज्ञेय), आधा गाँव (राही मासूम रजा), मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु), नाच्यो बहुत गोपाल (अमृतलाल नागर)
कहानी–एक दुनिया समानान्तर (सं. राजेन्द्र यादव) में संकलित निम्नलिखित कहानियों के आधार पर केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। जिन्दगी और जोंक (अमरकान्त), खोई हुई दिशाएँ (कमलेश्वर), गुल की बन्नो (धर्मवीर भारती), परिन्दे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम (फणीश्वर नाथ रेणु), चीफ की दावत (भीष्म साहनी), यही सच है (मन्नू भण्डारी), दूध और दवा (मार्कण्डेय), एक और जिन्दगी (मोहन राकेश), टूटना (राजेन्द्र यादव)।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग–1, 2, डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचन्द और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. जैनेन्द्र और उनके उपन्यास, डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. जैनेन्द्र के उपन्यासों को मनोवैज्ञानिक अध्ययन, डॉ. देवराज उपाध्याय, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी प्रतिनिधि उपन्यास, भाग–1, सम्पा. डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी
10. हिन्दी प्रतिनिधि उपन्यास, भाग–1, सम्पा. डॉ. यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी
11. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास, डॉ. इन्द्रप्रकाश पाण्डेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
12. नयी कहानी पुनर्विचार, मधुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

7. हिन्दी नाटक

अंको का विभाजन –	व्याख्या	= 12 X 3 = 36
	आलोचनात्मक प्रश्न	= 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद), सिंदूर की होली (लक्ष्मीनारायण मिश्र), अंधायुग (धर्मवीर भारती), आधे–अधूरे (मोहन राकेश), मिस्टर अभिमन्यु (लक्ष्मीनारायण लाल), हानूश (भीष्म साहनी)।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी नाटक, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना, गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा
4. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रसाद के नाटक, सत्येन्द्र तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रसाद के नाटक, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

8. हिन्दी आलोचना

अंको का विभाजन –	व्याख्या	= 12 X 3 = 36
	आलोचनात्मक प्रश्न	= 16 X 4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1. रस मीमांसा (रामचन्द्र शुक्ल)
2. काव्यकला तथा अन्य निबन्ध (जयशंकर प्रसाद)

3. नया साहित्य नये प्रश्न (नन्ददुलारे वाजपेयी)
4. कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
5. परम्परा का मूल्यांकन (रामविलास शर्मा)
6. समीक्षा की समस्यायें (मुक्तिबोध)

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी आलोचना का विकास, डॉ. नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आलोचक और आलोचना, डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध अथवा लघुशोध प्रबन्ध – कुल अंक 100

क– निबन्ध

दो निबन्ध लिखने होंगे –

1. साहित्यिक निबन्ध – 50 अंक
2. समसामयिक विषय पर निबन्ध – 50 अंक

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी निबन्ध, डॉ. गणपति चन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. साहित्यिक निबन्ध, डॉ. त्रिभुवन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

ख– लघु शोध

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग की अनुमति से वे संस्थागत अभ्यर्थी लघु प्रबन्ध ले सकेंगे, जिन्होंने प्रथम वर्ष की परीक्षा 60 प्रतिशत अकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

पंचम प्रश्न पत्र – मौखिकी – कुल अंक 100